आपने लगाई क्या एचएसआरपी नंबर प्लेट?

1 जुलाई से शुरू होगी कार्रवाई , 3 लाख, 84 हजार वाहन, आरटीओ के रडार पर

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 14 जून- राज्य के वाहनों को हाई सिक्युरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट्स (एचएसआरपी) बैठाने के लिए परिवहन विभाग की ओर से पुनः एक बार समया वृध्दि दी गई है. अब वाहनधारकों को 1 जुलाई तक अपने वाहनों पर यह नई नंबरप्लेट्स बैठाना अनिवार्य होगा. किंतु, अभी-भी जिले के 3 लाख, 84 हजार वाहनों पर ये प्लेट्स नहीं लगाई है. जिसके कारण आगामी एक माह की कालावधि में यह काम कैसे पूर्ण होगा? ऐसा प्रश्न खड़ा किया हो गया है.

नंबरप्लेट केंद्रों की संख्या जिले में अत्यल्प

मूलभूत सुविधाओं का अभाव तथा मांग की तुलना में शहर में व ग्रामीण क्षेत्रों में नंबरप्लेट देने वाले अधिकृत केंद्रों की संख्या अत्यल्प है. अनेक वाहनधारकों द्वारा शिकायत की गई है कि नई नंबरप्लेट्स मामूली से धक्के में भी टूट रही है. कुछ नंबरप्लेट्स का काला नंबर व अक्षर कुछ दिनों में ही फिके पड जाते है.

....ऐसे करें स्लॉट बुकिंग

वेबसाइट पर वाहन का प्रकार, पंजीयन क्रमांक, इंजन और चेसेस नंबर डाले. समीप के आरटीओ केंद्र अथवा मान्यता प्राप्त डीलर चुने. ऑनलाइन पेमेंट करके तारीख और समय निश्चित की जा सकती है.

1 हजार का जुमार्ना, विशेष जांच मुहिम- 1 जुलाई के बाद आरटीओ और यातायात पुलिस की ओर से विशेष जांच मुहिम चलाई जाएगी. मियाद के बाद नंबरप्लेट न बैठानेवाले वाहनधारकों को 1 हजार रुपए जुमार्ना भरने का प्रावधान किया है.

एक माह में कैसे लग पांएंगी नंबरप्लेट्स ?

केवल 45 दिनों में 3 लाख 84 हजार वाहनों को नंबरप्लेट्स बैठाना हो तो रोजाना हजारों वाहनों का काम करना होगा. वाहनधारकों ने अंतिम तारीख की प्रतीक्षा न करते हुए तत्काल आनलाइन स्लॉट बुक करके नंबरप्लेट्स बैठा लेनी चाहिए. इस अवसर पर समयावृध्दि मिलने की संभावना नहीं और 1 जुलाई से बिना एचएसआरपी वाहनों पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी.

10 लाख, 84 हजार, 250 वाहन

विद्यमान आंकडेवारी के अनुसार, अमरावती प्रादेशिक परिवहन क्षेत्र का विचार किया, तो यहां रजिस्ट्रर्ड 10 लाख, 84 हजार 250 वाहनों में से अभी भी लगभग 3 लाख, 84 हजार वाहनों पर एचएसआरपी नहीं लगी है. यह आंकडा काफी बढ़ा है.

लगभग 6वीं बार बढाई मियाद

अपर्याप्त यंत्रणा और नंबरप्लेट केंद्र पर होने वाली भीड के कारण सरकार को बारबार समयावृध्दि देनी पडी. प्रशासकीय त्रुटि और वाहनधारकों के धीमे प्रतिसाद के कारण अभी तक लगभग 6 बार समयावृध्दि दी गई है.

आज से मुख्यमंत्री के निवास के सामने *आत्मक्लेश* आंदोलन

समाजकार्य महाविद्यालय का मांगों के लिए एल्गार

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 14 जून- राज्य के समाजकार्य महाविद्यालय के शिक्षक तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की विविध मांगों के संदर्भ में 15 जून से 'मास्वे' की ओर से मुख्यमंत्री के निवासस्थान के सामने आत्मक्लेश आंदोलन पुकारा गया है. सेवानिवृत्त शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को अर्जित रजा कैश का लाभ, समाजकार्य शिक्षकों को कॅस योजना लागू करना, शिक्षक तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के रिक्त पद को भरने, चंद्रपुर, वर्धा व कामठी में स्थित समाजकार्य महाविद्यालयों की मान्यता रद्द करने के समाज कल्याण आयुक्त के आदेश को वापस लेना, इन प्रमुख मांगों को एक महीने में पूर्ण करने के निर्देश उच्च शिक्षा विभाग को दिए गए थे. उसके अनुसार समिति ने सभी प्रलंबित मांगों के बारे में विस्तारपूर्वक रिपोर्ट सरकार के पास प्रस्तुत की. परंतु मांगों में से केवल कॅस योजना लागू करने की मांग (वह भी अधूरी) 14 अक्टूबर 2024 को मंजूर की गई. परंतु शेष मांगे प्रलंबित है.

कुल 26 मांगों को लेकर हो रहा यह आंदोलन

सेवाप्रवेश नियमावली में समाजकार्य पदवीधर यही शैक्षणिक योग्यता कायम रखी जाए, सेवानिवृत्त शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को अर्जित छुट्टी को कैश करने का लाभ दिया जाए, प्राचार्य की सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष से 62 वर्ष करें, शिक्षक तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के रिक्त पदों को तुरंत भरा जाए. आकृतिबंध को पहले की तरह बरकरार रखें, इसके साथ ही कुल 26 मांगों को लेकर यह आंदोलन हो रहा है.

-प्रा.अंबादास मोहिते,
संस्थापक अध्यक्ष, मास्वे.

दूभाजकों में जमा कचरा डाला

सड़क पर दो दिनों से फैली है गंदगी

स्वच्छता की घोषणाएं फोल साबित

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 14 जून- स्वच्छ और सुंदर अमरावती की घोषणा करने वाले महापालिका प्रशासन की स्वच्छता मुहिम कितनी कमजोर है, इसका ज्वलंत उदाहरण रेलवे स्टेशन से बस स्टैंड मार्ग पर देखने को मिल रहा है. दूभाजकों की सफाई करके वहां से निकाला गया कचरा सीधे सड़क के बीचोंबीच डाल दिया गया, किंतु उसे उठाकर ले जाने की जिम्मेदारी संभालने वाले दो दिनों से गायब आते हैं. स्वच्छता के नाम पर केवल दिखावा किया जा रह है, ऐसा आरोप नागरिकों की ओर से लगाया जा रहा है.दो दिनों पूर्व 7 से 8 महिला कर्मचारियों ने दूभाजकों में घुसकर प्लास्टिक, कचरा, पत्थर, कागज आदि गंदगी बाहर निकाली. किंतु स्वच्छता का आगामी चरण पूर्ण करने की बजाए यह सभी कचरा सड़क किनारे डालकर प्रशासन ने अपने हाथ झटक लिए. दो दिन बीत जाने के बाद भी वह कचरा वहां वैसा ही पड़ा रहने के कारण स्वच्छता मुहिम का उद्देश्य ही संदेह के घेरे में दिखाई देता है. शहर स्वच्छता के लिए प्रतिवर्ष करोडों रुपए खर्च किए जाते है. किंतु प्रत्यक्ष में सड़कें चौक-चौराहे, नाले और अब दूभाजकों में भी कचरे के ढेर नजर आते हैं. आखिरकार यह खर्च होता कहा है और कहां की सफाई की जाती है, ऐसा संतप्त सवाल नागरिक उपस्थित कर रहे हैं.रेलवे स्टेशन से बस स्टैंड की यह सड़क शहर की अत्यंत व्यस्त यातायात वाली तथा महत्वपूर्ण मानी जाती है. इस मार्ग पर ही यदि स्वच्छता की ऐसी दयनीय अवस्था होगी, तो अन्य क्षेत्रों की परिस्थिति क्या होगी, इस बात की सहज ही कल्पना की जा सकती है. दूभाजकों में जमा कचरा बाहर निकालकर उसे अनेक दिनों तक सड़क पर ही छोड़ देना, अर्थात स्वच्छता नहीं, बल्कि नागरिकों की आंखों में धूल झोंकने के समान है.

श्री हव्याप्र मंडल के समर्थ वारे ने जीता रजत पदक

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ चयन

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 14 जून- मुंबई में 3 से 9 जून के दौरान आयोजित 29 वीं कैप्टन इझेकियल मेमोरियल महाराष्ट्र स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप-2026 में श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल संचालित शूटिंग रेंज के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अमरावती का गौरव बढ़ाया है. प्रतियोगिता के 25 मीटर सेंटर फायर (.32 बोर) पिस्टल शूटिंग स्पर्धा में मंडल के निशानेबाज समर्थ सुनील वारे ने 300 में से 269 अंक प्राप्त कर रजत पदक अपने नाम किया. राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हासिल इस सफलता पर उनका सर्वत्र अभिनंदन किया जा रहा है.इसके अलावा मंडल के अन्य खिलाड़ियों ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए आगामी पूर्व राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता के लिए अपनी पात्रता सुनिश्चित की है. 25 मीटर स्पोर्ट पिस्टल स्पर्धा में अभिषेक सिंह, 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में अर्पिता दुबे एवं हर्षुल हाडले, तथा 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में पायल कुरवाडे, बिशाखा देवी और सोनाली शर्मा का पूर्व राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है.खिलाड़ियों तथा शूटिंग विभाग प्रमुख प्रा. राहुल उगले की इस उपलब्धि पर मंडल के प्रधान सचिव पद्मश्री प्रभाकरराव वैद्य, कार्याध्यक्ष एड. प्रशांत देशपांडे, उपाध्यक्ष डॉ. श्रीकांत चेंडके, सचिव प्रा. डॉ. माधुरीताई चेंडके, सचिव प्रा. विकास कोळेश्वर तथा सचिव प्रा. रवींद्र खांडेकर सहित मंडल के पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों एवं खेलप्रेमियों ने हार्दिक बधाई दी है। साथ ही विश्वास व्यक्त किया है कि ये खिलाड़ी आगामी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मंडल और अमरावती का नाम रोशन करेंगे.

जन स्वास्थ्य समिति की पहली बैठक संपन्न

सफाई तथा स्वास्थ्य विषय पर हुई व्यापक चर्चा

अमरावती,13 शहरी स्वास्थ्य केंद्र, पठाण चौक में शनिवार 13 जून को जन आरोग्य समिति की पहली बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता नगरसेवक राशीद अली खान ने की. इस अवसर पर नगरसेवक अहमद शाह तथा आशिया अंजुम वहीद प्रमुख रूप से उपस्थित थे.बैठक में शहरी स्वास्थ्य केंद्र की महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. निगार खान ने जन आरोग्य समिति के उद्देश्यों, कार्यों, जिम्मेदारियों तथा समिति के माध्यम से नागरिकों को उपलब्ध कराई जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी. इसके बाद समिति के सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्र की विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, सुझाव और मुद्दे बैठक के समक्ष रखे. इन विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई. अध्यक्ष राशीद अली खान ने समिति के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं, शासकीय योजनाओं और जनजागरूकता कार्यक्रमों को आम नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर बल दिया. उन्होंने नागरिकों के स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक सुझाव भी दिए.बैठक में जन आरोग्य समिति के सह-अध्यक्ष, सचिव, सभी सदस्य, आंगनवाड़ी सेविकाएं, आशा स्वयंसेविकाएं तथा शहरी स्वास्थ्य केंद्र पठाण चौक एवं विभिन्न आरोग्यवर्धिनी केंद्रों के स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित रहे. बैठक में प्रमुख रूप से उपस्थित अधिकारियों में डॉ. निगार खान (महिला चिकित्सा अधिकारी, शहरी स्वास्थ्य केंद्र पठाण चौक), डॉ. मनोज मुंदडा (चिकित्सा अधिकारी, आरोग्यवर्धिनी फिरदोस कॉलोनी), डॉ. अश्विनी भिलावेकर (चिकित्सा अधिकारी, आरोग्यवर्धिनी मौलाना आजाद कॉलोनी) तथा डॉ. समृद्धि सानप (चिकित्सा अधिकारी, आरोग्यवर्धिनी जमील कॉलोनी) शामिल थे. सभी मान्यवरों, समिति सदस्यों और स्वास्थ्य कर्मियों की सक्रिय भागीदारी से जन स्वास्थ्य समिति की पहली बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई.

रिम्स के डॉ.श्याम राठी का जन्मदिन पर अभिष्टचिंतन

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 14 जून- रिम्स हॉस्पिटल के संचालक डॉ.श्याम राठी ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अपना जन्मदिन शारदा नगर स्थित निवासस्थान में मित्रमंडल के साथ मनाया. इस प्रसंग पर डॉ.गोविंद कासट मित्रमंडली की ओर से डॉ.श्याम राठी का डॉ.गोविंद कासट, डॉ.राजू डांगे, सतीश वडनेरकर के हाथों सत्कार कर उन्हें

शुभचिंतकों, मित्रों तथा परिजनों ने दी शुभकामनाएं

जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गयी. इस प्रसंग पर डॉ.कल्पना राठी, डॉ.प्रांजल शर्मा, संध्या देवी, वनमाला देवी राठी, डॉ.मदन बूब, डॉ.करुणा, डॉ.भारतीय मोरखे, डॉ.पूनम राठी, डॉ.मंजूश्री बूब, रिश्तेदार तथा शहर के डॉक्टर्स उपस्थित थे.

करोड़ों की निधि, फिर भी सड़कों पर गढ्ढे ही गढ्ढे

वाहनचालक परेशान, मान्सून पूर्व मरम्मत दस्तावेजों पर ही

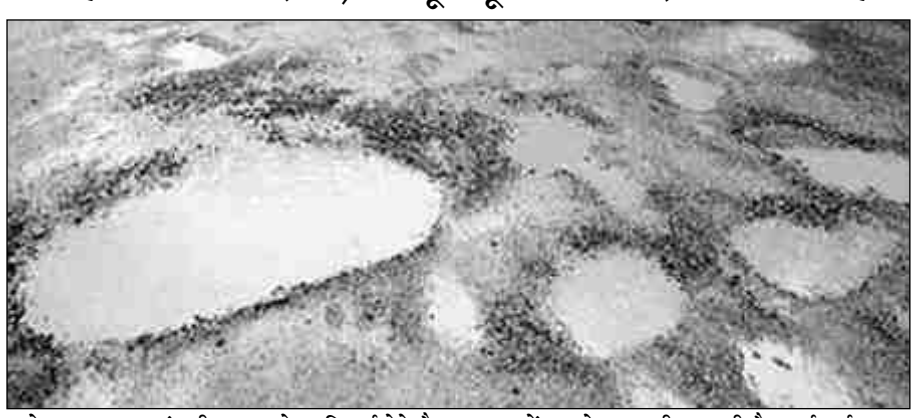

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 14 जून- शहर के मुख्य मार्ग सीमेंट कांक्रीट के हो गए, फिर भी अंतर्गत क्षेत्रों के अधिकांश डामरी सडकों की अवस्था अत्यंत दयनीय नजर आती है. अनेक सडकों पर बड़े-बड़े गढ्ढे पड़ गए हैं तथा कुछ स्थानों पर तो सडकों की हालत अक्षरशः छलनी के समान हो गई है. उल्लेखनीय है कि डामरी सडकों की मरम्मत के लिए अबकी बार लगभग 1 करोड, 23 लाख रुपयों की निधि मंजूर होने पर भी प्रत्यक्ष में मान्सूनपूर्व मरम्मत के कार्य अभी भी प्रभावी रुप से शुरू हुए दिखाई नहीं देने के कारण नागरिकों में तीव्र रोष नजर आ रहा है.रवि नगर चौक से समर्थ हाईस्कूल मार्ग, कृष्णार्पण कालोनी, गोपाल नगर, छांगाणी नगर से कृष्णार्पण कालोनी, श्रीकृष्ण विहार तथा शेगांव-रहाटगांव प्रभाग में बडे प्रमाण में सडकों पर गढ्ढे ही गढ्ढे दिखाई देते है. कुछ स्थानों पर तो सडक का डामर पूरी तरह निकल जाने के कारण वाहन चालकों को अपने प्राण मुठ्ठी में लेकर यात्रा करनी पड रही है.समर्थ हाईस्कूल की ओर जाने वाली सड़क पर अनेक दिनों से एक बडा गढ्ढा पड़ा हुआ दिखाई देता है, किं तु अभी तक उसकी मरम्मत नहीं की गई. कृष्णार्पण कालोनी परिसर में कुछ क्षेत्रों में सीमेंट कांक्रीट की सडकें बन गई है, फिर भी डामरी सड़कों की अवस्था अत्यंत खराब है. गोपाल नगर के अंतर्गत क्षेत्रों की भी अनेक सडकें गढ्ढों से भर गई हैं. बारिश के पूर्व ही यह अवस्था है, तो मूसलाधार बारिश शुरू होने के बाद परिस्थिति कितनी गंभीर होगी, इस बात की कल्पना सहज ही की जा सकती है. ठेकेदारों की ओर से निरीक्षण का काम शुरू होने की जानकारी मिली है, फिर भी सडकों पर पडे गढ्ढे मात्र ज्यों कि त्यों है.

गढ्ढों के कारण दुर्घटना का खतरा

गढ्ढों के कारण दुपहिया सवारों को सर्वाधिक तकलीफें सहन करनी पड रही है. इन सडकों पर दुर्घटना का खतरा बढ गया है तथा वाहनों का नुकसान भी हो रहा है. आगामी कुछ दिनों में शालाएं शुरू होगी, जिससे विद्यार्थियों को भी इन सडकों की तकलीफें उठानी पडेगी. अंतर्गत क्षेत्रों से मुख्य मार्ग पर आनेवाले नागरिकों की दैनिक कसरत भी बढ गई है. करोडों रुपयों की निधि मंजूर होती है, टेंडर प्रक्रिया पूर्ण की जाती है, ठेके दिए जाते है. किंतु प्रत्यक्ष में सडके गढ्ढेमुक्त क्यों नहीं होती, ऐसा सवाल नागरिकों ने उपस्थित किया है.

विश्व रक्तदाता दिवस पर विशेष

मानवता की मिसाल बनी दिनेश बूब रक्तदान समिति

हम तो चले थे अकेले, एक जीवन बचाने लोग जुड़ते गए और कारवां बनता गया

14 जून 2012 से जारी है जनसेवा का अनवरत कार्य

14 जून,2012 यह केवल एक तारीख नहीं थी, बल्कि मानवता की सेवा का वह बीज था जिसे कुछ युवाओं ने मिलकर बोया था. किसी ने नहीं सोचा था कि न्यू आजाद गणेश मंडल अमरावती की पावन धरती पर शुरू हुई यह छोटी सी पहल एक दिन हजारों परिवारों की उम्मीद बन जाएगी.साइकिल से शुरू हुई मानवता की यात्रा दिनेश बूब रक्तदान इस समिति की प्रेरणा बने. समिति बनाने की प्रेरणा केवल एक संगठन बनाने की नहीं थी, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति के सेवा भाव को आगे बढ़ाने की थी, जिसने वर्षों पहले मानवता को अपना धर्म बना लिया था, उस समय जब अमरावती शहर में किसी मरीज को रक्त की आवश्यकता होती थी, तब दिनेश बूब स्वयं साइकिल से रक्त लाने के लिए निकल पड़ते थे, वे रक्तदाताओं से संपर्क कर उन्हें ब्लड बैंक तक पहुंचाने का कार्य करते थे, ताकि किसी मरीज की जान केवल रक्त के अभाव में न जाए, उस दौर में न सोशल मीडिया था, न आधुनिक सुविधाएं, लेकिन सेवा का जज्बा लोगों में कूट-कूट कर भरा हुआ था. दिनेश बूब द्वारा किए गए ऐसे अनेक निःस्वार्थ कार्यों को देखकर हम जैसे कई युवा प्रेरित हुए और इसी प्रेरणा से मानव सेवा के इस अभियान को संगठित रूप देने के लिए दिनेश बूब रक्तदान समिति का गठन किया गया. आज 14 वर्षों बाद भी समिति का प्रत्येक कार्यकर्ता उसी सेवा, समर्पण और मानवता के मार्ग पर चलने का प्रयास कर रहा है, जिसकी नींव दिनेश बूब ने अपने कर्मों से रखी थी.

दिनेश बूब रक्तदान समिति की स्थापना के समय स्वर्गीय राजू भैया शर्मा, अचलपुर नगरसेवक नील माहेश्वरी, राजवीर तायड़े, राजा पिंजरकर, राज साखरे, बब्बू मोतीलाल, जयेश चांदक, तुषार करवा, कृष्ण चतुर्वेदी, पवन भूतड़ा तथा अनेक युवा साथी जुड़े थे. इन सभी ने बिना किसी स्वार्थ के मानवता की सेवा को अपना धर्म मानकर इस अभियान को आगे बढ़ाया. आज इनमें से राजू भैया शर्मा हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी यादें, उनके संस्कार और उनका सेवा भाव इस समिति के हर कार्य में जीवित हैं.

पहला विश्वास पहले दो रक्तदाता

किसी भी आंदोलन की शुरूआत विश्वास से होती है. दिनेश बूब रक्तदान समिति के गठन के समय जब यह केवल कुछ युवाओं का सपना था, तब आदरणीय संदीप जाजू और आलोक अग्रवाल परतवाड़ा ने उन युवाओं पर विश्वास जताते हुए समिति के लिए पहला रक्तदान किया था, उनका वह रक्तदान केवल रक्त की कुछ बूंदें नहीं था, बल्कि वह विश्वास था जिसने इस पूरे अभियान को दिशा दी. आज हजारों रक्तदाताओं की जो श्रृंखला दिखाई देती है, उसकी पहली कड़ी संदीप जी जाजू और आलोक अग्रवाल जी का वह ऐतिहासिक रक्तदान था.

रक्तदान से जीवनदान तक- पिछले 14 वर्षों में समिति ने केवल रक्तदान ही नहीं किया, बल्कि रक्त की आवश्यकता वाले प्रत्येक परिवार तक आशा पहुंचाने का कार्य किया.जम्मू-कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक- महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली, गुजरात, राजस्थान, असम और अंडमान-निकोबार तक जरूरतमंदों के लिए रक्त उपलब्ध कराने में समिति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है.आज सोशल मीडिया पर लाखों संदेश आते-जाते हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी था जब फेसबुक और व्हाट्सएप का उपयोग मानवता की सेवा के लिए किस प्रकार किया जा सकता है, यह दिनेश बूब रक्तदान समिति और उसके कार्यकताओं ने करके दिखाया था.

कोविड के दौर में जीवनरक्षक भूमिका- जब पूरी दुनिया कोरोना महामारी से जूझ रही थी, लोग अपने घरों में कैद थे, अस्पतालों में भय और अनिश्चितता का माहौल था, तब दिनेश बूब रक्तदान समिति के कार्यकर्ता मैदान में डटे रहे. कोविड संक्रमित मरीजों के लिए प्लाज्मा डोनर खोजने से लेकर विभिन्न राज्यों में प्लाज्मा उपलब्ध करवाने तक समिति ने दिन-रात कार्य किया. दिल्ली सहित देश के कई शहरों में भर्ती गंभीर मरीजों के लिए प्लाज्मा की व्यवस्था कर अनेक परिवारों को नई उम्मीद दी गई. कोविड काल में किए गए इस असाधारण कार्य के लिए समिति के कार्यकताओं को कोविड योद्धा सम्मान से भी सम्मानित किया गया.

बॉम्बे ब्लड ग्रुप के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास- रक्तदान क्षेत्र में सबसे कठिन कार्यों में से एक है दुर्लभ रक्त समूहों के लिए रक्त उपलब्ध कराना. समिति ने कई बार अत्यंत दुर्लभ बांबे बल्ड ग्रुप के मरीजों के लिए देशभर में नेटवर्क सक्रिय कर रक्तदाताओं को खोजने का कार्य किया. जहां सामान्य परिस्थितियों में लोग हार मान लेते हैं, वहां समिति के कार्यकताओं ने सैकड़ों किलोमीटर दूर बैठे मरीजों तक जीवन की उम्मीद पहुंचाई.

राष्ट्रीय सम्मान और पहचान- मानवता की सेवा के इस कार्य ने केवल लोगों का प्यार ही नहीं पाया, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान प्राप्त की.

समिति के कार्यकताओं को राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार, कोविड योद्धा सम्मान तथा विभिन्न सामाजिक और रक्तदान संस्थाओं द्वारा अनेक सम्मान प्राप्त हुए, लेकिन समिति की सबसे बड़ी उपलब्धि कोई ट्रॉफी या प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि उन परिवारों की मुस्कान है जिनके अपने आज जीवित हैं.14वां स्थापना दिवस- एक छोटा सा पौधा आज विशाल वटवृक्ष बन चुका है. यह यात्रा केवल कुछ लोगों की नहीं, बल्कि हर उस रक्तदाता की है, जिसने किसी अनजान व्यक्ति के लिए अपना रक्त दिया. यह यात्रा हर उस कार्यकर्ता की है जिसने आधी रात को फोन उठाकर किसी मरीज की मदद की.

यह यात्रा हर उस परिवार की है जिसने मानवता पर विश्वास बनाए रखा. आज विश्व रक्तदाता दिवस पर हम उन सभी ज्ञात-अज्ञात रक्तदाताओं, कार्यकताओं, सहयोगियों और शुभचिंतकों को नमन करते हैं, जिन्होंने इस कारवां को आगे बढ़ाया.

कुछ लोग धन देकर अमीर बनते हैं,
कुछ लोग पद पाकर बड़े बनते हैं,
मगर जो अपना रक्त देकर
किसी को जीवन देते हैं,
वे इंसान नहीं, मानवता के सच्चे दूत बन जाते हैं.